वर्ष-13, अंक-154, अक्टूबर 20, 2022

Marengo CIMS Hospital

हृदय और धड़कन

Price ₹ 5/-

Wishing you a

HAPPY DIWALI

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008
डॉ. निकुंज व्यास	+91-73531 65955

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH ACC International Centers Of Excellence

मैरिंगो सिम्स अस्पताल हृदय के सभी रोगों के लिए सर्वोत्तम उपचार प्रदान करता है ।

हृदय रोग का मुख्य कारण धमनियों का सख्त होना या धमनियों में रक्तके प्रवाह में रुकावट आना है। ऐसे में हृदय तक खून कम पहुंच पाता है। इस रुकावट से एनजाइना पेक्टोरिस और बाद में दिल का दौरा पड़ता है। हृदय में रक्त संचार कम होने के कारण मरीज़ को छाती में तेज दर्द और घबराहट होने लगती है। इस स्थिति को 'अस्थिर एनजाइना' के नाम से जाना जाता है। जब हृदय को स्थायी रूप से रक्तमिलना बंद हो जाता है, तो हृदय का वह हिस्सा जो अवरुद्ध धमनी के माध्यम से रक्त प्राप्त करता है, अस्थायी रूप से मर जाता है। दूसरे शब्दों में, हृदय के उस भाग से चेतना चली जाती है और वह भाग अपनी कार्यक्षमता खो देता है। ऐसी स्थिति को हम दिल का दौरा कहते हैं।

"दिल का दौरा पड़ने के तुरंत बाद का समय महत्वपूर्ण समय होता है। दिल का दौरा पड़ने के बाद, हृदय रक्त पंप करना जारी रखता है, लेकिन पहले से अधिक पंप करता रहता है, लेकिन पंप करने की क्षमता कम हो जाती है। यदि हमले के ६ से १२ घंटे के भीतर उचित उपचार दिया जाए, तो हृदय का वह हिस्सा जो रक्त की कमी के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है, कार्य करने के लिए फिर से शुरू किया जा सकता है। इसलिए, दिल का दौरा पड़ने के बाद शीघ्र उपचार प्राप्त करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।"

"कुछ दिल के दौरे अचानक और बहुत तीव्र आते हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में दिल का दौरा धीरे-धीरे विकसित होता है। इस स्थिति के सामान्य लक्षणों में सीने में जकड़न, ठंडा पसीना, जबड़े, पीठ, गले, पेट में दर्द, या बेचैनी, सांस लेने में कठिनाई, मतली या खालीपन महसूस होना शामिल हैं। यदि रोगी को सीने में जकड़न या यहां सूचीबद्ध लक्षणों में से एक से अधिक लक्षण हैं, तो एक मिनट की देरी नहीं होनी चाहिए (कभी भी पांच मिनट से अधिक नहीं) । ऐसे में किसी को मदद के लिए फोन करना चाहिए और तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए।"

"डायाबिटीस के मरीज़ को दिल का दौरा पड़ने पर दर्द महसूस न हो ऐसा हो सकता है । उनको किसी भी लक्षण का अनुभव न हो या सांस लेने में थोड़ी दिक्कत या हलके पसीने का अनुभव कर सकते हैं या बहुत कमजोर महसूस कर सकते हैं। ऐसे किस्सोंमें लोगो को ख्याल न हो और सारवार नहीं हो पाती है ।

बहुत से लोग ऐसी सामान्य लगन पर विचार नहीं करते हैं।"

शोध से पता चला है कि दिल के दौरे से होने वाली अधिकांश मौतें सीने में दर्द शुरू होने के पहले घंटे के भीतर होती हैं, लेकिन अगर हृदय की मांसपेशियों के उस हिस्से को रक्त दिया जाए जिसे कुछ मिनटों में रक्तनहीं मिल रहा है, तो वह बिना किसी मुश्किल से पूरी तरह से ठीक हो जाता है। यह कहने के लिए पर्याप्त है कि दिल के दौरे का जितना जल्दी इलाज किया जाए, वह मरीज की जान बचाने में दिल का दौरा पड़ने पर क्या करना चाहिए : मरीज़ को काम करना बंद कर देना चाहिए और आराम करना चाहिए। घुलनशील एस्पिरिन की एक गोली लेनी चाहिए। यह ख़ून को पतला करता है और जमना बंद कर देता है। जीभ के नीचे नाइट्रोग्लिसरीन की एक गोली रख देनी चाहिए और तत्काल मदद लेनी चाहिए और एम्बुलेंस बुलानी चाहिए।

मैरिन्गो सिम्स हॉस्पिटल हृदय रोग के उपचार और ऑपरेशन के मामले में ऑपरेशन से पहले, उसके दौरान और बाद में किसी भी प्रकार की समस्या को रोकने के लिए सर्वोत्तम निरंतर उपचार की श्रेष्ठ व्यवस्था प्रदान करता है।

दिल के दौरे में जीवन वर्धक चिकित्सा : प्रायमरी एंजियोप्लास्टी

हृदय को रक्त की आपूर्ति करने वाली तीन मुख्य धमनियां हैं। ब्लड प्रेशर, डायबिटीस, तंबाकू का सेवन, तनाव, सुस्त जीवन शैली और उच्च कोलेस्ट्रॉल (रक्त में चर्बी का उच्च स्तर) आदि धमनियों के संकुचन का कारण बनते हैं। इन धमनियों में अचानक रक्त का थक्का बनने के कारण हृदय के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति अचानक बंद हो जाती है। रक्त संचार न होने पर हृदय की मांसपेशियां मरने लगती हैं। मरीज़ को सीने में दर्द, धड़कन, दबाव, कंजेशन, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी-मतली, बाएं हाथ में दर्द और बेहोशी जैसे लक्षण होते हैं

"इस स्थिति में, तुरंत ही एम्ब्युलन्स को बुलाना चाहिए और अस्पताल के इमरजेंसी रूम में ले जाया जाना चाहिए। यह जरुरी नहीं है की डॉक्टर घर पर ही आये और जांच करे,, क्योंकि दिल का दौरा पड़ने के बाद हर पल महत्वपूर्ण है।

उपचार का नतीजा इस बात पर निर्भर करता है कि कैसे हमले के बाद कितनी जल्दी इलाज होता है।

ऐसे मामलों में बिना समय गंवाए अस्पताल में भर्ती किया जाना चाहिए, यह गलत धारणा नहीं रखनी चाहिए कि गैस या बदहजमी हुई है, क्योंकि एटेक के पहले घंटे के भीतर ३० से ४० प्रतिशत लोगो की मृत्यु हो जाती है। ५ से १० फीसदी लोगों की इलाज कराने के बावजूद अस्पताल पहुंचने पर मौत हो जाती है, इसलिए इस बीमारी की गंभीरता को समझना जरूरी है।

ऑक्सीजन, ब्लड थिनर (एस्पिरिन-क्लोपिडोग्रेल), नाइट्रेट्स और अन्य दवाएं प्राथमिक उपचार के तौर पर दी जाती हैं जब मरीज़ को अटैक आया होता है। हार्ट अटैक के विशिष्ट उपचार के रूप में रक्तको पतला करने के लिए स्ट्रेप्टोकिनेज / टीपी का एक विशेष इंजेक्शन दिया जाता है। यह दवा पहले तीन घंटों के भीतर प्रभावी होती है, वह भी ५० से ६० प्रतिशत मामलों में।.

इस दवा को ३ घंटे के बाद लेने से लक्षण कम हो जाते हैं। दवा लेने से रोग के लक्षण कम हो

जाते हैं और हृदय की गति और ब्लडप्रेशर सामान्य हो जाता है। ऐसे कई मामलों में एक या दो दिन के भीतर एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता होती है, इसके बाद आगे के उपचार के रूप में एंजियोप्लास्टी या बाईपास की आवश्यकता होती है। इन दवाओं को देने के बावजूद कई मामलों में हृदय की पम्पिंग कमजोर हो जाती है। इसीलिए आजकल इस इंजेक्शन की जगह दिल का दौरा पड़ने पर मरीज की एंजियोग्राफी की जाती है और तत्काल एंजियोप्लास्टी की जाती है और स्टेंट लगाया जाता है। इस प्रक्रिया को प्रायमरी एंजियोप्लास्टी के रूप में जाना जाता है। इस प्रकार के सारवार में १०० में से ९५ या ९६ प्रतिशत मरीज़ो को फायदा मिलता है। फिर से एटेक की संभावना कम हो जाती है और हृदय कार्य ठीक से करने लगता है। भारत में इस पद्धति का व्यापक रूप से वर्ष २००० से उपयोग किया जा रहा है।

गुजरात में प्रायमरी एंजियोप्लास्टी शुरु करने का श्रेय वर्तमान सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों को जाता है। इस एंजियोप्लास्टी के बाद २४ या ४८ घंटे आईसीयू में गहन देखभाल की जाती है। इस दौरान बीटा ब्लॉकर, एसीई इनहिबिटर, डाइयुरेटिक, स्टेटिन आदि दवाएं दी जाती हैं।

एक सफल प्रायमरी एंजियोप्लास्टी के बाद, मरीज़ २४-४८ घंटों के बाद सामान्य गतिविधियाँ कर सकता है। ५ से ७ दिनों के बाद, मरीज़ लगभग पहले की तरह कार्य करने लग जाता है । दिल के दौरे के लगभग हर मामले में, यह उपचार लंबे समय में सटीक और पर्याप्त प्रभावी साबित होता है।

अब तक, दुनिया में ३० से अधिक अध्ययनों ने निर्विवाद रूप से साबित कर दिया है कि प्राथमिक एंजियोप्लास्टी की सारवार लेने वाले मरीज़ों में जीवित रहने की शक्यता , लंबी जीवन प्रत्याशा और जीवन की उच्च गुणवत्ता में काफी वृद्धि हुई है।

मरीज़ जीवन भर बिना किसी झिझक के अपना काम, व्यवसाय, अन्य गतिविधियाँ, ट्रैवेलिंग , स्विमिंग आदि कर सकता है। पम्पिंग अच्छी होने पर कॉन्फिडेंस बना रहता है। किसी भी ऑपरेशन की तरह, प्रायमरी एंजियोप्लास्टी में निश्चित जोखिम होते हैं, लेकिन लाभ जोखिमों से कहीं अधिक होते हैं।

दूसरा दिल के दौरे का जोखिम १० से २० प्रतिशत से घटकर १ से २ प्रतिशत से भी कम हो जाता है। जिस दिन दिल के दौरे के अधिकांश मरीज़ों का प्रायमरी एंजियोप्लास्टी से इलाज किया जाएगा, उस दिन दिल के दौरे के उपचार के क्षेत्र में एक वास्तविक क्रांति होगी, जिसकी वजह से मृत्यु दर में कमी आएगी।

लोको मे हेल्थ के बारेमें अवरेनेश के लाने के लिए मैरिंगो सिम्स होस्पिटल से नि:शुल्क मेडीकल केम्प एवं हेल्थ अवरेनेश सेमीनार करने में आते है । जिसे विशेषज्ञ डॉक्टर से जॉच किया जाता है ।

क्या आप अपने शहेर में
नि:शुल्क केम्प या हेल्थ अवरेनेश सेमीनार करना चाहते हो ?
फोन करे केतन आचार्य +91 98251 08257

Marengo CIMS Hospital

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल, अहमदाबाद

मेडिकल टीम में नये डॉक्टर शामिल ।

डिपार्टमेन्ट ऑफ रेडियोलोजी

डॉ. सुनाली देसाई
MBBS, DMRE, MD (Radio-diagnosic),
DNB (Radio-diagnosis), DM (Neuroradiology), FRCR
कन्सलटन्ट न्यूरोरेडियोलोजीस्ट
M: +91-98790 79309
dr.sunali.desai@marengoasia.com

नेफ्रोलोजी एवं किडनी ट्रान्सप्लान्टेशन

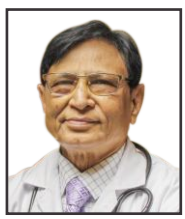

डॉ. पंकज आर. शाह
MD (Gen Medicine), DNB (Nephrology)
FISOT (Transplantation)
कन्सलटन्ट नेफ्रोलोजीस्ट
M: +91-99988 10145
dr.pankaj.shah@marengoasia.com

ईन्स्टीट्युट ऑफ केन्सर केर

डॉ. शिरीष एस. अलुरकर
MD
कन्सलटन्ट मेडीकल ओन्कोलोजीस्ट
M: +91-98240 48666
dr.shirish.alurkar@marengoasia.com

डॉ. नितीन सिंघल
MBBS, MS (Gen. Surgery),
M.Ch (Surgical Oncology)
कन्सलटन्ट ओन्कोसर्जन (कैंसर रोग निष्णांत)
M: +91-75061 14222
dr.nitin.singhal@marengoasia.com

डॉ. राजदीप गुप्ता
MBBS, MD (Medicine),
DrNB (DNB) (Medical Oncology)
कन्सलटन्ट मेडीकल ओन्कोलोजीस्ट
M: +91-99249 80441
dr.rajdeep.gupta@marengoasia.com

डॉ. जिग्नेश राजवंशी
MBBS, MD (General Medicine),
DrNB (DNB) (Medical Oncology)
कन्सलटन्ट मेडीकल ओन्कोलोजीस्ट
M: +91-97277 01904
dr.jignesh.rajvanshi@marengoasia.com

डिपार्टमेन्ट ऑफ युरोलोजी

डॉ. कंर्दप परीख
MBBS, MS, MCh, DNB (Genito Urinary Surgery)
Endourologist-Robotic Surgeon
डिरेक्टर - डिपार्टमेन्ट ओफ युरोलोजी
M: +91-98240 47767
dr.kandarp.parikh@marengoasia.com

अपोईन्टमेन्ट के लिए : 1800 309 9999

मैरिंगो सिम्स होस्पिटल, अहमदाबाद

गुणवत्ता और मरीज़ देखभाल के लिए लगातार तीन बार जेसीआई (यूएसए)(JCI-USA) मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार ।

अहमदाबाद शहर में एकमात्र जेसीआई (JCI-USA) मान्यता प्राप्त मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल

पिछले ७ वर्षों में लगातार तीसरी बार जेसीआई**(JCI-USA)** की मान्यता प्राप्त करने पर गर्व और खुशी है और जेसीआई**(JCI-USA)** से मान्यता प्राप्त अहमदाबाद शहर का एकमात्र मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल है।
भारत में केवल ३६ मान्यता प्राप्त अस्पतालों में से, हमने विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा के लिए सबसे अच्छी जगह होने का गौरव हासिल किया है।
तीसरी बार गुणवत्ता प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए मैरिंगो सिम्स टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद । जाइंट कमीशन इंटरनेशनल-जेसीआई **(JCI-USA)** एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त निकाय है जो इंजीनियरों और निरीक्षकों की एक बड़ी टीम का निरीक्षण करके गुणवत्ता और सुरक्षित रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों के लिए अस्पतालों को सोने की मुहर प्रदान करता है।

मैरिंगो सिम्स कार्डियाक ट्रान्सप्लान्टेशन

हृदय प्रत्यारोपण के लिए क्लास संकेत

- कार्डियोजेनिक शॉक जिसमें यांत्रिक सहायता की आवश्यकता होती है।
- रिफ्रेक्टरी (एडवान्स्ड) हार्ट फेल्योर जिसमे निरंतर इनोट्रोपिक इन्फ़्युज़न हो रहा हो।
- १२ महीने से कमजोर रोग की स्थिति के साथ न्यूयॉर्क हार्ट एसोसिएशन (NYHA) फंक्शनल क्लास ३ और ४ होना।
- मेक्सिमल थेरपी के साथ भी बढ़ते लक्षण।
- गंभीर रोगसूचक हाइपरट्रॉफिक या प्रतिबंधात्मक कार्डियोमायोपैथी
- रिवास्क्युलराइज़ेशन (अवरुद्ध धमनियों/नसों में रक्तके प्रवाह को फिर से शुरू करने की प्रक्रिया) के लिए अयोग्य शरीर रचना के साथ चिकित्सा एंजाइना
- आक्रामक चिकित्सा और उपकरण हस्तक्षेप के बावजूद जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाला वेंट्रिक्युलर एरिथिमिया
- मेटास्टेसिस की कम संभावना वाले कार्डियाक ट्यूमर्स
- हाइपोप्लास्टिक बाएं हृदय और जटिल जन्मजात हृदय रोग

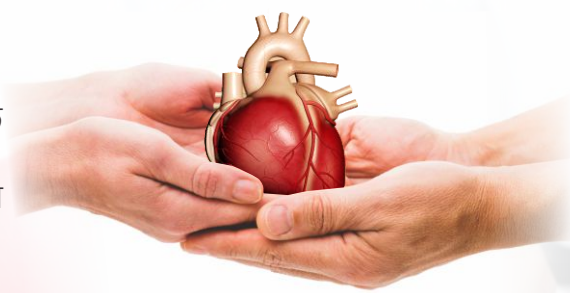

विपरीत संकेत (कॉन्ट्राइंडिकेशन्स)

- आयु > 65 वर्ष
- फिक्स्ड पल्मोनरी वास्क्युलर रेसिस्टेन्स > 6 लवुड यूनिट्स
- अंत अंग क्षति के साथ ब्रिटल (देखभाल के लिए मुश्किल) डायाबिटीस
- सक्रिय संक्रमण
- प्रमुख नुक़सानकर्ता सहवर्ती (को-मोर्बिड) रोग
- सक्रिय या हाल की मेलिग्नेंसी (<2 वर्ष)
- HIV सेरोकॉवर्सन
- मोटापा (मॉर्बिड ऑबेसिटी) (BMI > 35)
- गभीर मानसिक बीमारी या मनोवैज्ञानिक अस्थिरता का इतिहास
- तंबाकू, शराब या नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साबिती

LEADERS IN TRANSPLANT

34TH

HEART TRANSPLANT

AUGUST 25, 2022

38TH

LIVER TRANSPLANT

SEPTEMBER 25, 2022

India's **New Destination** For **Transplants**

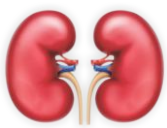

35 Kidney Transplants

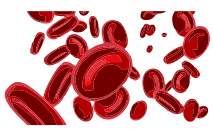

179 Paediatric BMT

Lung Transplant

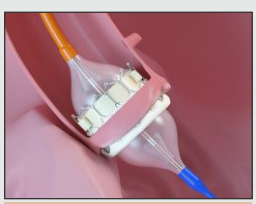

Balloon Expandable Valve

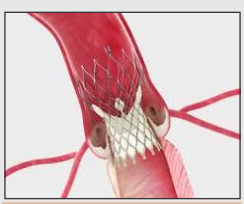

Self Expanding Supra-Annular Valve

A procedure to replace
the diseased valve without surgery

28TH TAVI

Transcatheter Aortic Valve Implantation

OCTOBER 07, 2022

HIGHEST NUMBER IN GUJARAT

100% SUCCESSFUL HOSPITAL OUTCOMES

INDIA'S BEST HEART CARE EXPERTS

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2022-2024 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2024
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/NG/88/2022-24 valid upto 31st December, 2024

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Call : 1800 309 9999

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

(JCI) USA

LISTEN TO YOUR Heart.
CHOOSE THE EXPERTS.

ACC International Centers Of Excellence

One of India's largest team of Heart Care Experts

TOP ROW LEFT TO RIGHT: Dr. Vipul Ahir | Dhanyata Dholakia | Dr. Chintan Sheth | Dr. Niren Bhavsar | Dr. Nikunj Vyas
Dr. Shaunak Shah | Dr. Dhiren Shah | Dr. Dhaval Naik | Dr. Amit Chandan | Dr. Pranav Modi | Dr. Kishore Gupta
Dr. Hiren Dholakia | Ulhas Padiyar | Akash Rajawat | Dr. Gunvant Patel

BOTTOM ROW LEFT TO RIGHT: Dr. Tejas V. Patel | Dr. Satya Gupta | Dr. Urmil Shah | Dr. Anish Chandarana | Dr. Keyur Parikh
Dr. Milan Chag | Dr. Ajay Naik | Dr. Hemang Baxi | Dr. Hiren Kevadiya | Dr. Vipul Kapoor | Dr. Kashyap Sheth

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।